Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-103

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination Jan. – Feb. – 2022

M.A. Darshan, Semester : First
दर्शन : प्रश्न-पत्र : तृतीय
वेदान्त-मीमांसा – प्रथम

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. वेदान्त में वर्णित ब्रह्म के विभिन्न नामों का प्रमाणपूर्वक समन्वयात्मक वर्णन करें।
2. वेदान्तदर्शन के अनुसार "वैश्वानर" शब्द से कौन अभिधेय है? सविस्तार वर्णन करें।
3. मीमांसा दर्शन के अनुसार शब्दनित्यत्ववाद का सप्रमाण वर्णन करें।
4. ब्रह्म सूत्र के अनुसार जगत् की उत्पत्ति में ब्रह्म के निमित्तकारणत्व को सिद्ध करें।
5. अथ यदस्मिन् ब्रह्मपुरे पुण्डरीकं वेश्म दहरो ..... विजिज्ञासितव्यमिति। इस छान्दोग्यश्रुति में "दहर" शब्द से कौन अभिप्रेत है? ब्रह्म सूत्र के अनुसार उल्लेख करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. मीमांसा दर्शन के अनुसार धर्म के साधक प्रमाण को सोदाहरण स्पष्ट करें।
7. "वदतीति चेन्न प्राज्ञो हि प्रकरणात्" प्रस्तुत सूत्र की सप्रसङ्ग व्याख्या करें।
8. वेदान्त दर्शनानुसार जगत् के प्रति प्रकृति की कारणता का सप्रमाण उल्लेख करें।
9. 'चोदनालक्षणोऽर्थो धर्मः' सूत्र की भाष्यानुसार व्याख्या करें।
10. सर्वं खल्विदं ब्रह्म तज्जलानिति शान्त उपासीत।
    अथ खलु ..... (छा. 3. 14. 1-2) इस श्रुति में उपास्य कौन है? ब्रह्मसूत्रभाष्य के अनुसार वर्णन करें।
11. समस्त जगद् में व्याप्त होते हुए भी ब्रह्म को हृदय जैसे अल्प स्थान में विद्यमान क्यों कहा है? ब्रह्म सूत्र के अनुसार वर्णन करें।
12. मीमांसा शाबरभाष्य के अनुसार निरालम्बनवाद का निराकरण करें।

----------x----------